

कोरोना संकट में सूचना प्रसार और जन-जागरूकता अभियानों की प्रभावशीलता: धार जिले का अध्ययन

अनूप कुमार भगोरे¹ and डॉ. ममता²

¹शोधार्थी, सामाजिक कार्य-विभाग

²शोध निर्देशक, सामाजिक कार्य-विभाग

विक्रांत विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म.प्र.)

सारांश

कोविड-19 महामारी के दौरान सूचना प्रसार और जन-जागरूकता अभियानों ने संक्रमण कम करने, व्यवहार परिवर्तन को बढ़ावा देने और समुदायों को स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का पालन करने हेतु प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह समीक्षा लेख धार जिले के संदर्भ में उपलब्ध शोध, सरकारी रिपोर्टों तथा सामुदायिक अनुभवों के आधार पर सूचना प्रसार रणनीतियों, उनकी प्रभावशीलता, चुनौतियों व भविष्य के सुधारात्मक उपायों का विश्लेषण प्रस्तुत करता है। अध्ययन से पता चलता है कि यद्यपि बहुस्तरीय संचार माध्यमों ने ग्रामीण व आदिवासी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य किया, फिर भी डिजिटल विभाजन, अफवाहें, शिक्षा स्तर और भाषा अवरोध जैसे कारकों ने अभियानों की सफलता को सीमित किया।

मुख्य संकेतक: जन-जागरूकता अभियान, महामारी संचार, स्वास्थ्य शिक्षा, ग्रामीण समुदाय।

